M.A. – IInd Year

SEM – III & IV

No Papers Available

Previous Year Question Papers "HINDI"

Academic Year: (2019-20)

KANYA MAHAVIDYALAYA LIBRARY

Please Note: This set has been prepared based on the papers received to us from the Examination Cell. It may have missing papers on non-availability of the same. This set does not have papers of the March/April for which exam was objective type.

S.M.G. LIBRARY SANGLI KANYA MAHAVIDYALAYA

SR - 468

Total No. of Pages : 3

Seat No.	

M.A.(Part - II) (Semester-III) Examination, November - 2019

हिंदी (HINDI) (Paper - IX) (CBCS) (New)

आधुनिक हिंदी कविता – I

अनिवार्य बीज – पत्र

Sub. Code : 71301

Day and Date : Tuesday, 19 - 11- 2019 **Total Marks : 80**

Time : 02.30 p.m. to 05.30 p.m.

सूचनाएँ : 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

2) दाईं ओर लिखे अंक प्रश्न के गुण दर्शाते हैं।

प्र.1) निम्नलिखित वाक्यों के नीचे दिए विकल्पों में से उचित विकल्प चुनकर वाक्य फिर से लिखिए। [20]

i) 'कामायनी' के सर्गों की संख्या ..... है।

अ) तेरह ब) चौदह

क) पंद्रह ड) सोलह

ii) ..... के द्वारा ज्ञान – कर्म – इच्छा का समन्वय हो जाता है?

अ) मनु ब) श्रद्धा

क) इडा ड) मानव

iii) 'कामायनी' के मनु ..... के प्रतीक हैं।

अ) मोक्ष ब) बुद्धि

क) सृष्टि ड) मन

iv) "खुदा तो गया", चोर उसे ले गए बाकी हम ..... ही रह गए।

अ) चितचोर ब) मनमोर

क) सीनाजोर ड) डाकू

v) असाध्य वीणा को ..... ने झंकृत कर दिया।

अ) प्रियंवद ब) वज्रकीर्ति

क) राजा ड) रानी

vi) 'सरोज स्मृति' कविता में निराला का ..... स्वभाव स्पष्ट होता है।

अ) दयालू ब) विद्रोही

क) यथार्थवादी ड) ममतामई

P.T.O.

S.M.G. LIBRARY SANGLI KANYA MAHAVIDYALAYA

vii) 'कुकुरमुत्ता' कविता में गुलाब ...... वर्ग का प्रतीक है।

अ) शोषक ब) शोषित

क) सामान्य ड) असामान्य

viii) सुमित्रानंदन पंत जी को .... का सुकुमार कवि कहा जाता है।

अ) समाज ब) राजनीति

क) प्रकृति ड) भावना

ix) सुमित्रानंदन पंत ने धरती को .... कहा है।

अ) सखी ब) माता

क) भगिनी ड) सहचरणी

x) सुमित्रानंदन पंत जी ने अपना आरंभिक काव्य .... विचारधारा के आधार पर लिखा।

अ) प्रगतिवादी ब) छायावादी

क) प्रयोगवादी ड) हालावादी

प्र.2) निम्नलिखित में से किन्हीं चार अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए। (छ में से चार) [20]

अ) भरा था मन में नव उत्साह, सीख लूँ ललित कला का ज्ञान,
इधर रह गंधर्वों के देश, पिता की हूँ प्यारी संतान।

ब) चिन्ता करता हूँ मैं जितनी उस अतीत की, उस सुख की,
उतनी ही अनंत में बनती जातीं, रेखाएं दु:ख की।

क) शत–सहस्त्र पल्लवन–पतझरों ने जिसका निल रूप सँवारा,
कितनी बरसातों कितने खओतों ने आरती उतारी।

ड) देख मुझको, मैं बढ़ा
डेढ़ बालिश्त और ऊंचे पर चढ़ा
और अपने से उगा मैं
कलम मेरा नहीं लगता
मेरा जीवन आप जगता
तू है नकली, मैं हूँ मौलिक।

S.M.G. LIBRARY SANGLI KANYA MAHAVIDYALAYA

इ) प्रकृति नर्तकी सुघर

अखिल में व्याप्त सूत्रधर!

हमारे निज, सुख, दु:ख नि:श्वास

तुम्हें केवल परिहास;

तुम्हारी ही विधि पर विश्वास

हमारी चिर आश्वास!

फ) भारत अब स्वाधीन हो चुका
शेष अभी मानवता का रण
बहिरंतर गृह रचना कर नव
उसे संजोने भू दिक् प्रांगण!
महीयसी यह घटना युग की
जन–जीवन मंगल हित।

प्र.3) 'कामायनी' की नायिका श्रद्धा की चारित्रिक विशेषताएं लिखिए। [20]

अथवा

'''मैं वहाँ हूँ' कविता में कवि ने सामाजिक सरोकार को उद्धारित करने का प्रयास किया है'' – कथन की समीक्षा कीजिए।

प्र.4) '''सरोज – स्मृति' कविता कवि निराला के जीवन के दु:खावेग की तीव्रता को अभिव्यक्त करती है'' – कथन की समीक्षा कीजिए। [20]

अथवा

'हिमाद्री' कविता के आशय को अपने शब्दों में लिखिए।

ⓘⓘⓘ

S.M.G. LIBRARY SANGLI KANYA MAHAVIDYALAYA

SR - 469

Total No. of Pages : 2

Seat No.	

M.A.(Part - II) (Semester-III) Examination, November - 2019

हिंदी (HINDI) (Paper - X) (CBCS) (New)

अनिवार्य बीजपत्र : भारतीय काव्यशास्त्र तथा हिंदी आलोचना – I

Sub. Code : 71302

Day and Date : Wednesday, 20 - 11- 2019 **Total Marks : 80**

Time : 02.30 p.m. to 05.30 p.m.

सूचनाएँ : 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

2) दाईं ओर लिखे अंक प्रश्न के गुण दर्शाते हैं।

प्र.1) निम्नलिखित वाक्यों के नीचे दिए गए विकल्पों में से उचित विकल्प चुनकर वाक्य फिर से लिखिए।[20]

i) ''शब्दार्थौ सहितौ काव्यम्'' ..... काव्य लक्षण है।

अ) भामह ब) दण्डी

क) भरतमुनि ड) वामन

ii) आ. भामह ने ..... को प्रमुख काव्य हेतु माना है।

अ) प्रतिभा ब) व्युत्पत्ति

क) अभ्यास ड) शास्त्रज्ञान

iii) विभाव के ..... भेद हैं।

अ) तीन ब) चार

क) पाँच ड) दो

iv) रीति संप्रदाय के प्रवर्तक ..... है।

अ) आ. कुंतक ब) आ. वामन

क) आ. मम्मट ड) भरतमुनि

v) 'वक्रोक्ति जीवित्म्' ग्रंथ के रचियेता ..... है।

अ) आ. कुंतक ब) वामन

क) विश्वनाथ ड) मम्मट

vi) अलंकार संप्रदाय के प्रवर्तक ..... है।

अ) वामन ब) भरत

क) भामह ड) कुंतक

P.T.O.

LIBRARY SANGLI KANYA MAHAVIDYALAYA

vii) आनंदवर्धन ने ध्वनि को ..... विभागों में विभाजित किया है।

अ) दो ब) चार

क) तीन ड) पाँच

viii) क्षेमेंद्र ने औचित्य संबंधी अपने विचार ..... नामक ग्रंथ में विस्तार के साथ स्पष्ट किए हैं।

अ) नाट्यशास्त्र ब) काव्यालंकार

क) औचित्य विचार चर्चा ड) ध्वन्यालोक

ix) हिंदी में व्याख्यात्मक आलोचक के रूप में ..... सुप्रसिद्ध हैं।

अ) इलाचंद्र जोशी ब) शिवदान सिंह चौहान

क) आ.शुक्ल ड) नामवरसिंह

x) आलोचना के लिए मराठी पर्यायी शब्द ..... है।

अ) समीक्षण ब) समीकरण

क) समालोचन ड) विवेचन

प्र.2) निम्नलिखित में से किन्हीं चार पर टिप्पणियाँ लिखिए। (6 में से 4) [20]

अ) अभिधा शब्दशक्ति

ब) रीति की अवधारणा

क) काव्यगुण

ड) शास्त्रीय आलोचना

इ) तुलनात्मक आलोचना

फ) रामविलास शर्मा की आलोचना दृष्टि

प्र.3) काव्य के प्रकार विषद कीजिए। [20]

अथवा

रीति सिद्धांत का सामान्य परचिय देकर रीति के भेदों को स्पष्ट कीजिए।

प्र.4) ध्वनि के प्रमुख भेदों पर प्रकाश डालिए। [20]

अथवा

हिंदी आलोचना का स्वरूप स्पष्ट कर ऐतिहासिक आलोचना का परिचय दीजिए।

ⓘⓘⓘ

S.M.G. LIBRARY SANGLI KANYA MAHAVIDYALAYA

469

SR - 470

Total No. of Pages : 2

Seat No.	

M.A. (Part - II) (Semester - III) (CBCS) Examination, November - 2019

हिंदी (HINDI) (Paper - XI) (New)

प्रयोजनमूलक हिंदी - I (अनिवार्य बीजपत्र)

Sub. Code : 71303

Day and Date : Thursday, 21 - 11 - 2019 Total Marks : 80

Time : 02.30 p.m. to 05.30 p.m.

सूचनाएँ : 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

2) दाईं ओर लिखे अंक प्रश्न के पूर्णांक हैं।

प्र.1) निम्नलिखित पारिभाषिक शब्दों के हिंदी पर्याय क्रमानुसार लिखिए। [20]

i) Abnormal

ii) Art Executive

iii) Backward Classes

iv) Bye-law

v) Custom

vi) Duration

vii) Fellowship

viii) Postmortem

ix) In Camera

x) Senate

प्र.2) निम्नलिखित में से किन्हीं चार पर टिप्पणियाँ लिखिए। [20]

अ) माध्यम भाषा के रूप में हिंदी

ब) विज्ञापन लेखन

क) वर्तनी शोधन

ड) सरकारी पत्रलेखन

इ) साक्षात्कार लेखन

फ) संचार भाषा

P.T.O.

प्र.3) मातृभाषा, राजभाषा और संपर्क भाषा के रूप में हिंदी पर प्रकाश डालिए। **[20]**

अथवा

प्रयोजनमूलक हिंदी का स्वरूप बताकर उसकी उपयोगिता पर प्रकाश डालिए।

प्र.4) कार्यालयी हिंदी के प्रारूपण और संक्षेपण की विधि को स्पष्ट कीजिए। **[20]**

अथवा

मुद्रित माध्यम का स्वरूप बताकर समाचार लेखन में संपादन और शीर्षक रचना को स्पष्ट कीजिए।

S.M.G. LIBRARY SANGLI KANYA MAHAVIDYALAYA

Seat No.	

SR - 473

Total No. of Pages : 2

M.A. (Part - II) (Semester - III) (CBCS) Examination, November - 2019

हिंदी (Hindi) (Paper - XII) (New)

(क) कथेतर साहित्य – I (वैकल्पिक प्रश्नपत्र)

Sub. Code : 71306

Day and Date : Friday, 22 - 11 - 2019 **Total Marks : 80**

Time : 02.30 p.m. to 05.30 p.m.

सूचनाएँ : 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

2) दाईं ओर लिखे हुए अंक प्रश्न के गुण दर्शाते हैं ।

प्र.1) निम्नलिखित प्रश्नों के नीचे दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर वाक्य फिर से लिखिए । [20]

i) आइसलैंड की राजधानी रिक्याविक की पहचान ..... का शहर के रुप में है ।

अ) पर्वतों ब) आँधी

क) धुँए ड) पहाडों

ii) चापेक ..... रचनाकार हैं ।

अ) जर्मन ब) फ्रेंच

क) रूसी ड) चेक

iii) बीसवीं सदी के ब्रेख्त नाटककार की तुलना ..... से की जाती है ।

अ) चेकोव ब) शेक्सपियर

क) मोलियर ड) इलियट

iv) बौद्ध वाङ्मय में आर्य सत्य का अर्थ आर्यजाति का सत्य नहीं है, उसका अर्थ ..... है ।

अ) वरेण्स सत्य ब) अक्षुण्ण भाव

क) श्रेष्ठतर होना ड) आष्टांगिक मार्ग

v) भारतीय संस्कृति पर्यावरण की चिंता नहीं करती, वह ..... की चिंता करती है ।

अ) दीप–शिखा ब) तादात्म्य

क) रमणीयता ड) स्नेहदीक्षा

vi) यह आकस्मिक नहीं है कि भक्ति की सगुण और निर्गुण दोनों धाराओं का संयोजक सूत्र ..... है ।

अ) अमूर्त्तन शक्ति ब) अमूर्तता

क) नामस्मरण ड) अनुभव परकता

vii) बैजू मामा ..... जेल की एक खास चीज हैं ।

अ) पटना ब) बिहार

क) दरियागंज ड) लखनऊ

SUK-84802

P.T.O.

S.M.G. LIBRARY SANGLI KANYA MAHAVIDYALAYA

viii) जल्द रुपये दे दो, नहीं तो मैं .... कर दूँगा और नालिश कितने की करेगा, कौन ठिकाना ।

अ) बात   ब) नालिश

क) शिकायत   ड) मुकदमा

ix) नागार्जुन की पहली गिरफ्तारी अमबारी में .... के कारण हो गई थी ।

अ) जन – संघर्ष   ब) छात्र – संघर्ष

क) किसान – संघर्ष   ड) मजदूर – संघर्ष

x) .... में कही गयी बात आम लोगों तक बडी ही आसानी से पहुँच जाती है ।

अ) गद्य   ब) संकेत

क) काव्य   ड) व्यंग

प्र.2) निम्नलिखित में से किन्हीं चार अवतरणों का संदर्भसहित स्पष्टीकरण कीजिए । (6 में से 4) **[20]**

अ) जीवन में बाबूजी ने मात्र कलम या रचना को ही हथियार नहीं बनाया । खुद जन–संघर्ष में हिस्सा लिया ।

ब) एक शब्द विकलांग तो दूसरा है निकलांग ! मैं विकलांग तो नहीं; हाँ, निकलांग अवश्य हूँ ! कहीं भी मुझे रखो, दिख ही जाऊँगा अपने रुप में ।

क) बाबूजी के भीतर यदि बैद्यनाथ के बीज दमदार होते तो वह किसी भी तरह से सत्ता का विरोध नहीं कर पाते । यों भी संस्कृत के अधिकांश पंडित भीरु हुआ करते हैं । हाँ, अडियल भी होते हैं, मात्र पारम्परिक शास्त्रीय ज्ञान के प्रदर्शन में । आपत्ति–विपत्ति के समय मैदान छोडने में भी अपनी बहादुरी समझते हैं ।

ड) उफ, नसें ढीली पड गईं, खून का सोता सूख गया । लेकिन, मानों, अब भी उसमें तरंगें उठतीं, और किसी सूखे सागर की तरह बालू के तट पर सिर धुन, पछाड सा गिर–गिर पड़ती है । कैसा करुण दृश्य !

इ) पानी की तो नदी बह रही है और तुम्हें इज्जत और दौलत भी कम नहीं बख्शी जाएगी – क्योंकि तुम खुद रसूल के नाती जो हो । लेकिन शर्त एक है – यजीद के हाथ पर बैत करो?

फ) अच्छा, कोई एक काम आप मुझसे कहिए, जो मैं करुँ । कोई अच्छा काम, जो देश के लिए भी फायदे का हो ।

प्र.3) 'भारत के लोक और शास्त्र' निबंध के आधार पर भारतीय परम्परा के अभिलक्षणों को विशद कीजिए । **[20]**

अथवा

बलदेव सिंह की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

प्र.4) 'चीडों पर चाँदनी' के आधार पर मध्य यूरोप के प्राकृतिक सौंदर्य पर प्रकाश डालिए । **[20]**

अथवा

'नागार्जुन: मेरे बाबूजी' शीर्षक की सार्थकता विशद कीजिए ।

⌘⌘⌘

S.M.G LIBRARY SANGLI KANYA MAHAVIDYALAYA